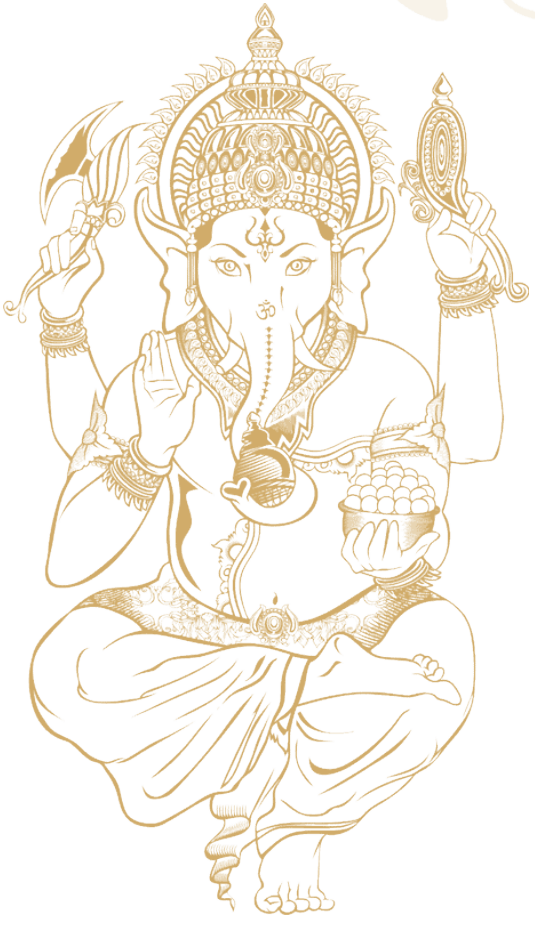

Mr.

16 Oct 2004

07:00 AM

Bhilai

Model: web-freekundliweb

Order No: 119153303

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**16/10/2004**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**07:00:00 घंटे**
इष्ट	02:28:47 घटी
स्थान	**Bhilai**
राज्य	Chhattisgarh
देश	India

अक्षांश	21:13:00 उत्तर
रेखांश	81:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:04:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:55:44 घंटे
वेलान्तर	00:14:29 घंटे
साम्पातिक काल	08:35:23 घंटे
सूर्योदय	06:00:29 घंटे
सूर्यास्त	17:38:56 घंटे
दिनमान	11:38:28 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	29:06:30 कन्या
लग्न के अंश	11:53:52 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 2**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	प्रीति
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	तू-तुकाराम
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	11:53:52	326:05:04	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	---
सूर्य			कन्या	29:06:30	00:59:32	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	सम राशि
चंद्र			तुला	24:29:59	14:13:38	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	सम राशि
मंगल		अ	कन्या	18:51:17	00:39:12	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
बुध		अ	तुला	06:15:05	01:37:17	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	मित्र राशि
गुरु			कन्या	10:33:32	00:12:38	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	शत्रु राशि
शुक्र			सिंह	20:33:30	01:11:10	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	शत्रु राशि
शनि			कर्क	02:55:21	00:02:33	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	शत्रु राशि
राहु			मेष	08:11:55	00:00:24	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	शत्रु राशि
केतु			तुला	08:11:55	00:00:24	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	सम राशि
हर्ष	व		कुंभ	09:14:35	00:01:16	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	---
नेप	व		मक	18:42:18	00:00:17	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	26:11:24	00:01:26	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	गुरु	---
दशम भाव			कर्क	12:32:09	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:55:16

लग्न-चलित

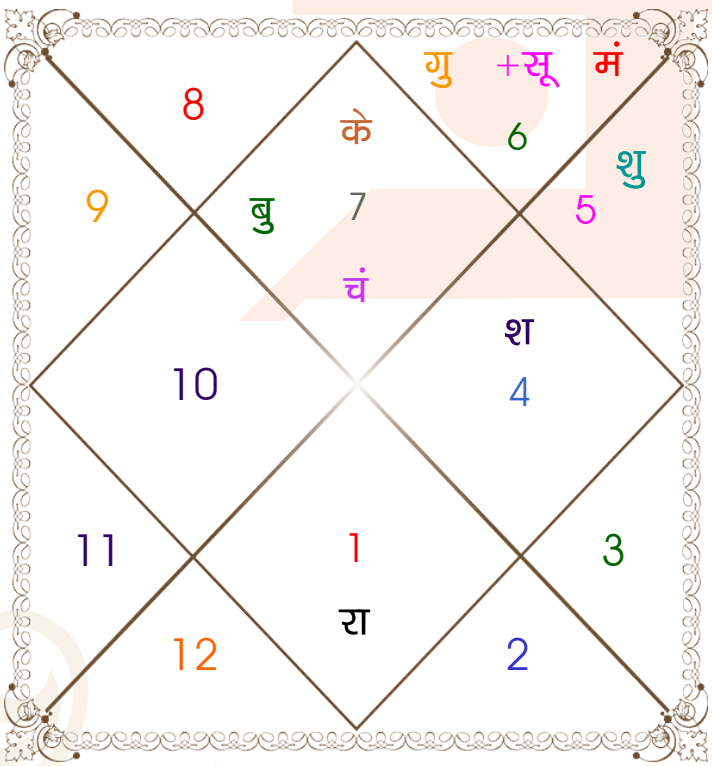

चन्द्र कुंडली

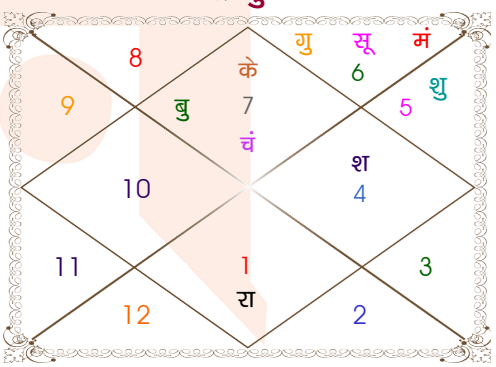

नवमांश कुंडली

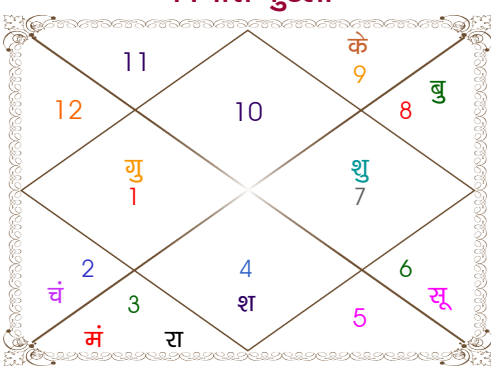

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 10 वर्ष 7 मास 6 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
16/10/2004		24/05/2015		23/05/2034		24/05/2051		23/05/2058	
24/05/2015		23/05/2034		24/05/2051		23/05/2058		23/05/2078	
	00/00/0000	शनि	26/05/2018	बुध	19/10/2036	केतु	20/10/2051	शुक्र	22/09/2061
	16/10/2004	बुध	02/02/2021	केतु	16/10/2037	शुक्र	19/12/2052	सूर्य	22/09/2062
बुध	29/04/2006	केतु	14/03/2022	शुक्र	16/08/2040	सूर्य	26/04/2053	चंद्र	23/05/2064
केतु	05/04/2007	शुक्र	14/05/2025	सूर्य	22/06/2041	चंद्र	25/11/2053	मंगल	23/07/2065
शुक्र	04/12/2009	सूर्य	26/04/2026	चंद्र	22/11/2042	मंगल	23/04/2054	राहु	23/07/2068
सूर्य	22/09/2010	चंद्र	25/11/2027	मंगल	19/11/2043	राहु	11/05/2055	गुरु	24/03/2071
चंद्र	22/01/2012	मंगल	03/01/2029	राहु	08/06/2046	गुरु	16/04/2056	शनि	23/05/2074
मंगल	28/12/2012	राहु	10/11/2031	गुरु	12/09/2048	शनि	26/05/2057	बुध	23/03/2077
राहु	24/05/2015	गुरु	23/05/2034	शनि	24/05/2051	बुध	23/05/2058	केतु	23/05/2078

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
23/05/2078		23/05/2084		23/05/2094		24/05/2101		25/05/2119	
23/05/2084		23/05/2094		24/05/2101		25/05/2119		00/00/0000	
सूर्य	10/09/2078	चंद्र	23/03/2085	मंगल	19/10/2094	राहु	04/02/2104	गुरु	12/07/2121
चंद्र	11/03/2079	मंगल	22/10/2085	राहु	07/11/2095	गुरु	30/06/2106	शनि	23/01/2124
मंगल	17/07/2079	राहु	23/04/2087	गुरु	13/10/2096	शनि	06/05/2109	बुध	17/10/2124
राहु	10/06/2080	गुरु	22/08/2088	शनि	22/11/2097	बुध	23/11/2111		00/00/0000
गुरु	29/03/2081	शनि	23/03/2090	बुध	19/11/2098	केतु	11/12/2112		00/00/0000
शनि	11/03/2082	बुध	23/08/2091	केतु	17/04/2099	शुक्र	11/12/2115		00/00/0000
बुध	16/01/2083	केतु	23/03/2092	शुक्र	17/06/2100	सूर्य	04/11/2116		00/00/0000
केतु	24/05/2083	शुक्र	22/11/2093	सूर्य	23/10/2100	चंद्र	06/05/2118		00/00/0000
शुक्र	23/05/2084	सूर्य	23/05/2094	चंद्र	24/05/2101	मंगल	25/05/2119		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 10 वर्ष 7 मा 0 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के उदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश एवं कुंभ का द्रेष्काण भी उदित था। जो आपके लिए विशिष्ट प्रकार का सौभाग्य प्राप्ति का संकेत प्रदान कर रहा है। इसके प्रभाव से आपके जीवन में स्वास्थ्य, आरोग्य, धन एवं वासनात्मक सुखों से युक्त सुसज्जित जीवन का संकेत प्राप्त होता हैं।

आपका संपूर्ण जीवन सुव्यवस्थित एवं आनन्द से परिपूर्ण रूप से व्यतीत होगा। चाहे जो कुछ भी हो आप मात्र इसी संबंध में अन्वेषण करते रहते हो कि सुखी जीवन व्यतीत करने के लिए किस प्रकार क्या कार्य किया जाए-ताकि काफी लाभ हो, तथा आरामदायक जीवन यापन हेतु अन्य लोगों पर अपना प्रभाव डाला जाए। आप धनोपार्जन कर मित्रों की प्रसन्नता एवं भरण-पोषण देखभाल के साथ-साथ अपना वैवाहिक जीवन भी आनन्दपूर्वक व्यतीत करना चाहते हैं।

आप अपनी पत्नी की सभी बातें मानेंगे। आप अपनी पत्नी के साथ संभोगात्मक प्रदर्शन हेतु प्रेम संबंधित वृष्टि करते रहेंगे। आप सदैव दूसरों की दृष्टि के संबंध में कुछ बढ़ा-चढ़ा कर बातें करेंगे। लेकिन आप में नितांत संमोहक गुण विद्यमान है। आप सुंदरता का मूल्यांकन अपनी पसंद से करने में बहुत पसंदीदा व्यक्ति हैं।

आपके आवासीय साज-सज्जा उपयुक्त है ऐसा संदेह है। आप सदैव अच्छी प्रकार सुंदर चीजों को देखना चाहते हैं। आप ऐसा चाहते हैं कि आपका घर अच्छी साज-सज्जाओं से सुसज्जित रहे तथा छोटी-छोटी कलात्मक वस्तुएं घर की शोभा बढ़ाकर विशिष्ट प्रकार से दृश्य हो। यह कोई महत्त्व की बात नहीं कि उन वस्तुओं की कीमत क्या है। आप इन सभी कार्य को करने के लिए समर्थ हैं क्योंकि आप धनी हों आप इन चीजों के मूल्य में किसी प्रकार की कटौती नहीं करना चाहते। आप अपने वैचारिक योजना के अनुरूप अपनी कुशाग्रबुद्धि के अनुसार कार्य को पूर्ववत् करना चाहते हैं। आप एक शिक्षित व्यक्ति की तरह उद्यमपूर्वक अधिक मात्रा में इन वस्तुओं को प्राप्त करना चाहते हैं। मुख्यतः आपके जीवन को 30 वें वर्ष से 35 वें वर्ष के मध्य आपका समय लाभप्रद रहेगा।

आपको विश्वास है कि आपका भविष्य दर्शनीय होगा। अतएव आप ऐसा अनुभव करते हैं कि समन्वित साहसिक प्रयास से घरेलू वातावरण दर्शनीय हो जाएगा। आप अपने पसंदीदा मित्रों की नजरों में अथवा उनके दृष्टिकोण से शक्ति संपन्न दृश्य होना चाहते हैं। यह प्राप्त करना तब ही संभव है कि आप अपने कर्म व्यवसाय का संपादन बिना किसी भी संक्षिप्ता, भय अथवा आशंका की बिन्दु मात्र के ही करे तब ही संभाव्य है।

आप अपने जीवन के आध्यात्मिक पक्ष को बिना अदृश्य किए अर्थात् बिना महत्वहीन किए प्रायः सभी पक्ष से संभाव्य सफलता के लिए चिंतित एवं प्रयत्नशील रहेंगे। आप अपने अतिरिक्त समय में आध्यात्मिक दर्शन के संबंध में शिक्षा प्राप्त कर प्रदर्शित करना चाहते हैं। आप कतिपय परोपकारी कार्य संपादन कर अपने मित्रों एवं भाईयों को सहयोग प्रदान

करेंगे।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु इसका अर्थ यह नहीं है कि आप संभाव्य कतिपय रोगादि के प्रति सावधानी नहीं बरतें यथा मूत्र विकार, एकज्मिा, फोड़े फुन्सी। यद्यपि कुछ दिनों का आंशिक रोग है तथापि इन रोगों के प्रति भी सर्तकता बरतनी चाहिए।

कुछ असंभावित रोगों के प्रति घटना क्रमानुसार समय-समय पर रोग परीक्षण एवं समयानुकूल भोजनादि पर ध्यान देना चाहिए।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

यदि आप अपने व्यवहार हेतु अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक का प्रयोग करें, तो यह दिन आपके लिए लाभकारी प्रमाणित होगा। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक किसी भी दशा में अव्यवहृत हैं।

आपके लिए रंग हरा एवं पीला रंग अनुकूल नहीं है। परंतु आपके लिए स्पष्ट रूप से नारंगी, लाल, उजला रंग अत्याधिक लाभप्रदायक रंग है।